समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation



कक्षा - 7

हिंदी (पल्लव)

अध्याय – 16

अमृत वाणी

भाग – 2

मिताली कुमारी

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

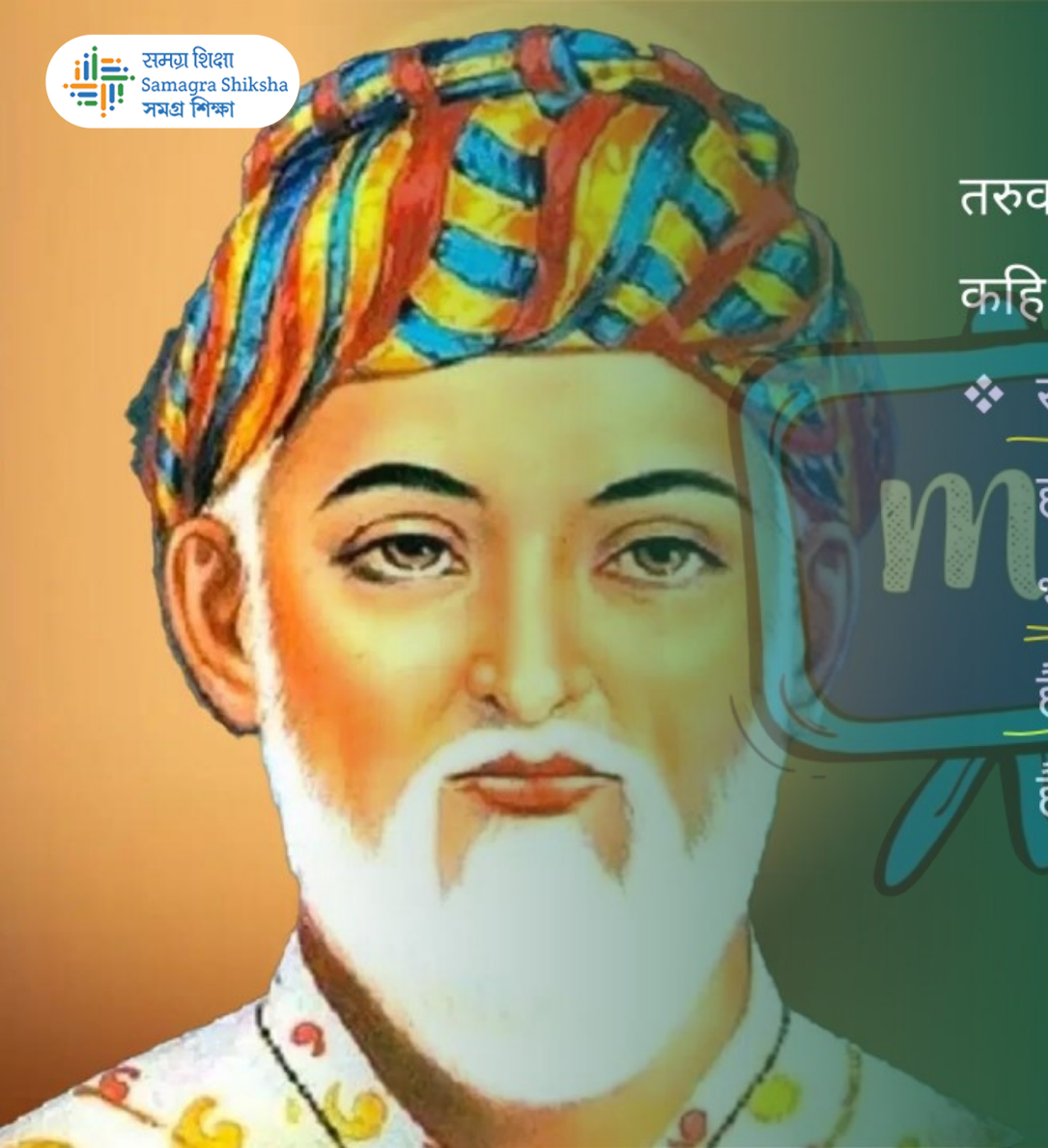

तरुवर फल नहिं खात है, सरवर पियहिं न पान।
कहि रहीम पर-काज हित, संपति संचहिं सुजान॥1॥

❖ रहीम कहते हैं कि परोपकारी लोग परहित के लिए ही संपत्ति को संचित करते हैं। जैसे वृक्ष फलों का भक्षण नहीं करते हैं और ना ही सरोवर जल पीते हैं बल्कि इनकी संपत्ति दूसरों के काम ही आती है।

रहिमन बिपदा हु भली, जो थोरे दिन होय।

हित अनहित या जगत में, जानि परत सब कोय॥2॥

❖ रहीम कहते हैं कि यदि विपत्ति कुछ समय की हो तो वह भी ठीक ही है, क्योंकि विपत्ति में ही सबके विषय में जाना जा सकता है कि संसार में कौन हमारा हितैषी है और कौन नहीं ।

रहिमन निज मन की बिथा, मन ही राखहु गोय।
सुनि इठिलैहै सब लोग, बांटि न लैहै कोय॥3॥

❖ अपने मन की व्यथा को मन में ही छिपाकर रखना चाहिए, क्योंकि सुनकर लोग हसेंगे, पर कोई उसे बाँटकर कम नहीं करेगा ।

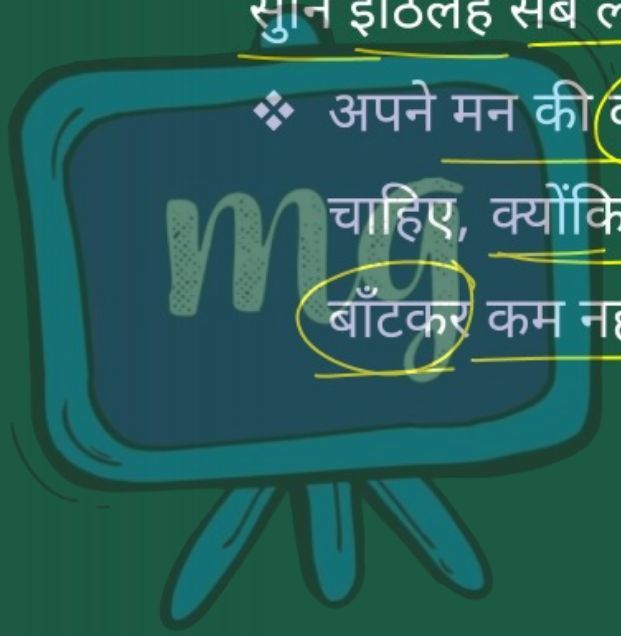

रहिमन निज संपति बिना, कोउ न बिपति सहाय।

बिनु पानी ज्यों जलज को, रवि नहिं सकै बचाय॥4॥

❖ रहीम कहते हैं कि संकट की स्थिति में मनुष्य की निजी धन- दौलत ही उसकी सहायता करती है। जिस प्रकार पानी का अभाव होने पर सूर्य कमल की कितनी ही रक्षा करने की कोशिश करे, फिर भी उसे बचाया नहीं जा सकता, उसी प्रकार मनुष्य को बाहरी सहायता कितनी ही क्यों न मिले, किंतु उसकी वास्तविक रक्षक तो निजी संपत्ति ही होती है।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

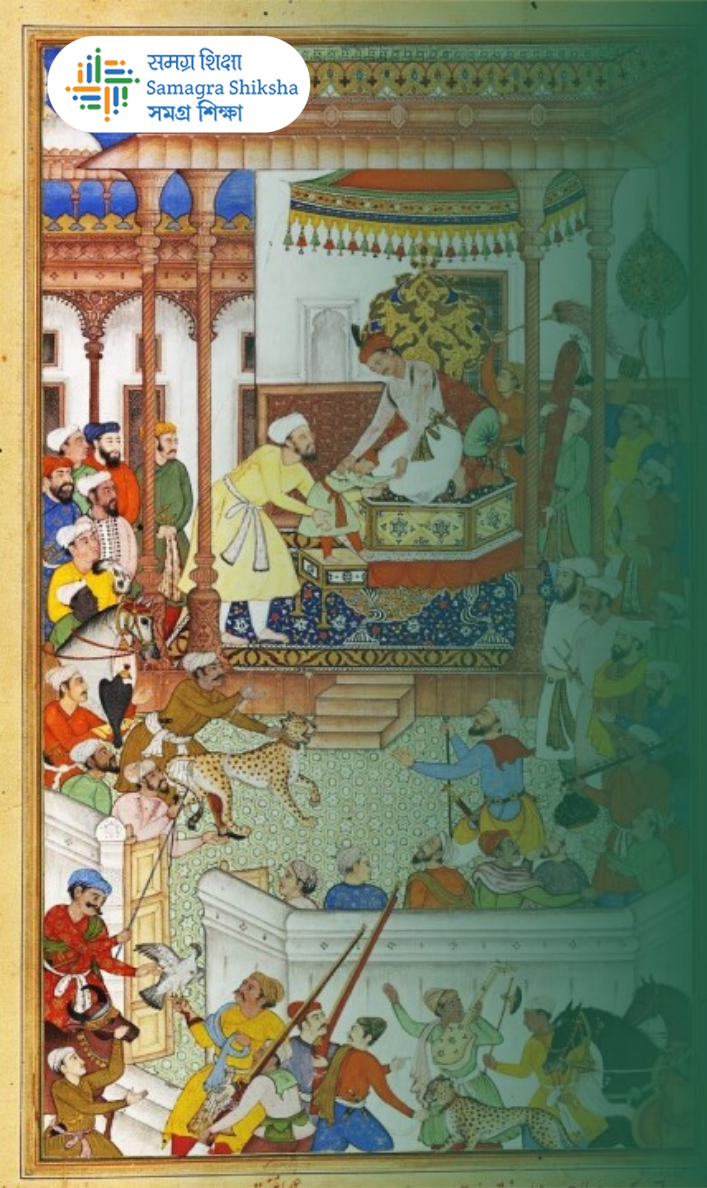

रहिमन देखि बड़ेन को, लघु न दीजिए डारि।
जहाँ काम आवै सुई, कहा करै तरवारि।।5।।

❖ बड़ी चीज़ की चाहत में छोटी चीज़ को नहीं फेंकना चाहिए । हर चीज़ का अपना महत्व होता है और हमें किसी भी इंसान को छोटा नहीं समझना चाहिए ।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

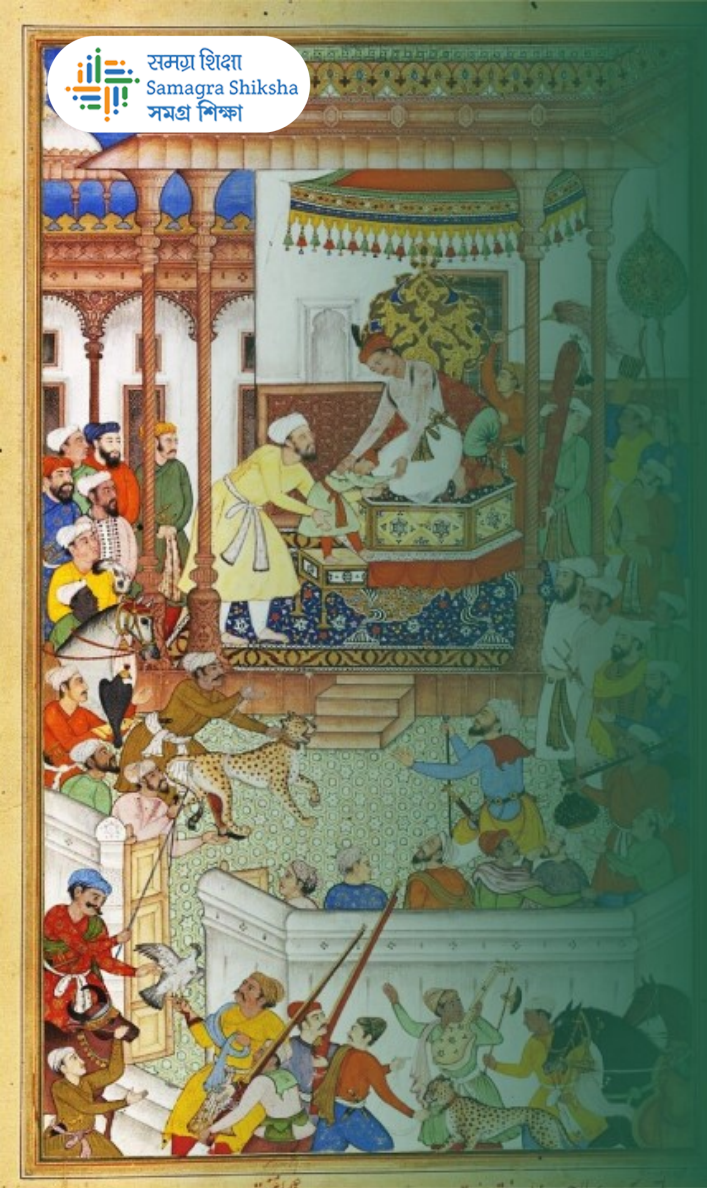

जे गरीब पर हित करै, ते रहीम बड़ लोग।

कहा सुदामा बापुरो, कृष्ण मिताई जोग।।6।।

❖ रहीमदास जी कहते हैं कि जिस प्रकार कृष्ण ने अपने गरीब मित्र सुदामा से मित्रता निभाई थी उसी प्रकार जो लोग गरीब से प्रेम करते हैं उनका हित करते हैं वही बड़े लोग होते हैं ।

— कवि रहीम

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation



नीति के कवि रहीम

- पूरा नाम है – अब्दुर्रहीम खानखाना।
- जन्म – 1556 ई. ।
- पितृ – मुगल सम्राट अकबर के मंत्री बैरम खाँ
- मृत्यु – 1638 ई. ।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

मूल्यांकन

Under CSR Support by
ipca | Foundation



1 | रहीम पूरा नाम है अब्दुर्रहीम खानखाना।

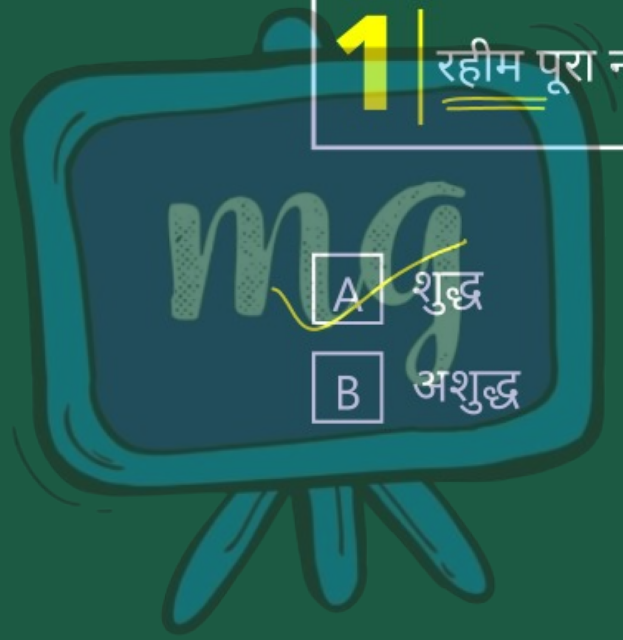

मूल्यांकन



2 नीति के कवि रहीम पितृ थे मुगल सम्राट अकबर के मंत्री बैरम खाँ ।

A शुद्ध

B अशुद्ध

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

मूल्यांकन

Under CSR Support by
ipca | Foundation



3 नीति के कवि रहीम मृत्यु 1639 ई. हुई ।

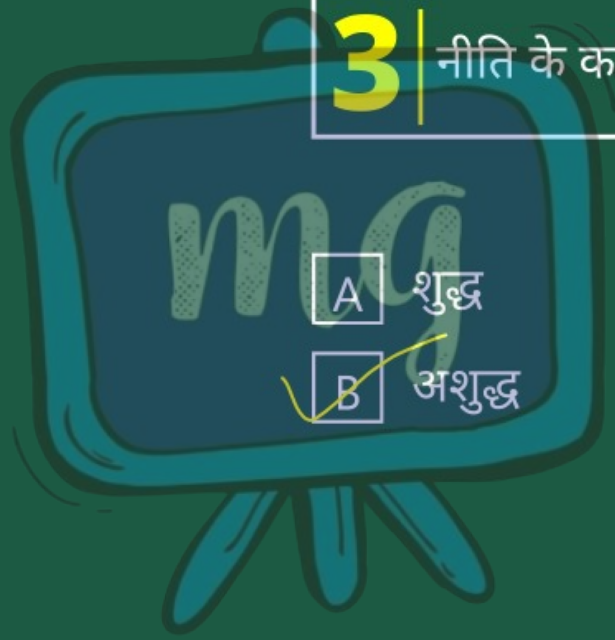

A शुद्ध

B अशुद्ध